उत्तराखंड में वनाग्नि में वृद्धि

चर्चा में क्यों?

[भारतीय वन सर्वेक्षण (FSI)](#) की रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड में [वनाग्नि](#) में **74% की वृद्धि दर्ज की गई है।**

मुख्य बिंदु

- **उपग्रह अवलोकन और अग्नि दुर्घटनाओं की गणना:**
- **उत्तराखंड** में, उपग्रह डेटा ने आग की घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की, **नवंबर 2023 से जून 2024 तक 21,033 आग की घटनाएँ हुईं,** जबकि वर्ष 2022-2023 में इसी अवधि के दौरान 5,351 घटनाएँ हुईं।
    - इस मौसम के दौरान कुल 1,808.9 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र आग से प्रभावित हुआ।
- **आंध्र प्रदेश में** सबसे अधिक आग प्रभावित क्षेत्र (5,286.76 वर्ग किमी.) दर्ज किया गया, उसके बाद **महाराष्ट्र** (4,095.04 वर्ग किमी.) **और तेलंगाना** (3,983.28 वर्ग किमी.), **हिमाचल प्रदेश** (783.11 वर्ग किमी.) का स्थान रहा।
- **सर्वाधिक प्रभावित राज्य:**
- **छत्तीसगढ़:** 18,950 घटनाएँ
- **आंध्र प्रदेश:** 18,174 घटनाएँ
- **महाराष्ट्र:** 16,008 घटनाएँ
- **मध्य प्रदेश:** 15,878 घटनाएँ
- **तेलंगाना:** 13,479 घटनाएँ
- **उच्च जोखिम वाले क्षेत्र:**
    - **उत्तराखंड,** हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर को **"अत्यंत उच्च जोखिम" वाले क्षेत्र घोषित किया गया।**
- **राष्ट्रव्यापी जोखिम:**
    - भारत का लगभग 11.34% वन क्षेत्र और झाड़ी क्षेत्र अत्यंत से लेकर **अत्यंत अग्नि-प्रवण क्षेत्रों में स्थित है,** जिनमें **आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्य प्रदेश, झारखंड और उत्तराखंड के कुछ हिस्से संवेदनशील हैं।**
- **अग्नि संवेदनशीलता:**
- **अत्यधिक गरमी और [ईंधन की लकड़ी](#)** की उपलब्धता जैसी जलवायु परिस्थितियाँ वनों में आग लगने की संभावना में महत्त्वपूर्ण योगदान देती हैं।
- [ज्वलनशील पदार्थों](#) **की उपस्थिति के कारण** आग अक्सर अन्य वन क्षेत्रों में **तेज़ी से विस्तृत हो जाती है।**
- यह डेटा भारत में वनों की आग की बढ़ती गंभीरता को उजागर करता है, जिसके **पारिस्थितिकी और पर्यावरण पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकते हैं।**

भारतीय वन सर्वेक्षण

- **स्थापना: 1 जून, 1981** को स्थापित, **1965 में शुरू किये गए वन संसाधनों के पूर्व निवेश सर्वेक्षण (PISFR) का स्थान लिया।**
    - **1976** में, [राष्ट्रीय कृषि आयोग (NCA)](#) **ने राष्ट्रीय वन सर्वेक्षण संगठन** की स्थापना की सिफारिश की, जिसके परिणामस्वरूप **FSI** का निर्माण हुआ।
    - **PISFR की शुरुआत वर्ष 1965** में भारत सरकार द्वारा [खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO)](#) **और** [संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)](#) के सहयोग से की गई थी।
- **मूल संगठन:** [पर्यावरण और वन मंत्रालय](#), भारत सरकार।
- **प्राथमिक उद्देश्य:** भारत के **वन संसाधनों का नियमित रूप से आकलन और निगरानी करना।**
    - **इसके अलावा, यह प्रशिक्षण, अनुसंधान और विस्तार** की सेवाएँ भी प्रदान करता है।
- **कार्यप्रणाली: FSI का मुख्यालय देहरादून** में है तथा **शिमला, कोलकाता, नागपुर और बंगलौर** में चार क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ इसकी उपस्थिति पूरे भारत में है।
    - पूर्वी क्षेत्र का एक उपकेंद्र **बर्नीहाट (मेघालय) में है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rise-in-forest-fires-in-uttarakhand